ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

मौसम पूर्वानुमान एवं कृषि सलाह

जिला – जयपुर

(19.09.2020 से 23.09.2020 तक)

(राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान (श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर) दुर्गापुरा, जयपुर एवं भारत मौसम विभाग द्वारा जारी)

गत सप्ताह की मौसम स्थिति (10.9.2020 से 16.09.2020 तक)

गत सप्ताह में आसमान में हल्के बादल छाये रहे तथा राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान (श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विष्वविद्यालय, जोबनेर) दुर्गापुरा की वैधशाला मे 0.0 मि.मी वर्षा दर्ज की गई। इस दौरान दिन का अधिकतम तापमान 34 से 37.5 डिग्री सेल्सियस (साप्ताहिक सामान्य 33.2 डिग्री सेल्सियस) तथा न्यूनतम तापमान 24.0 से 26.0 डिग्री सेल्सियस (साप्ताहिक सामान्य 23.8 डिग्री सेल्सियस) रहा। पूर्वाह्न 7.27 को सापेक्षिक आर्द्रता 56 से 75 प्रतिशत (साप्ताहिक सामान्य 78.7 प्रतिशत) तथा दोपहर बाद अपराह्न 2.27 को 30 से 52 प्रतिशत (साप्ताहिक सामान्य 53.0 प्रतिशत) दर्ज की गई। हवा की औसत गति 4.5 कि.मी. प्रतिघंटा (साप्ताहिक सामान्य 5.6 कि.मी. प्रतिघंटा) रही। गत सप्ताह के दौरान दिन में औसत 9.0 घंटे प्रतिदिन (साप्ताहिक सामान्य 7.8 घंटे) धूप खिली रही। वाष्पीकरण की औसत दर 5.7 मि.मी. (साप्ताहिक सामान्य 5.4 मि.मी) प्रति दिन रही। गत सप्ताह के दौरान पूर्वाह्न तथा अपराह्न में हवा भिन्न-भिन्न दिशाओं से वही।

मौसम पूर्वानुमान

मौसम कारक		दिनांक				
		19.9.20	20.9.20	21.9.20	22.9.20	23.9.20
1.	वर्षा (मि.मी.)	9	5	0	0	3
2.	अधिकतम तापमान (डिग्री से.)	36	37	38	38	38
3.	न्यूनतम तापमान (डिग्री से.)	26	26	28	26	26
4.	आसमान में बादलो की स्थिति	7	7	5	2	3
5.	अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	72	71	63	51	53
6	न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	40	42	32	22	18
7.	औसत वायु गति (कि./घण्टा)	15	11	9	8	5
8.	वायु दिशा	प.	प.	प.उ.प.	प.उ.प.	द.

मौसम पूर्वानुमान पर आधारित कृषि सलाह

आम सलाह	➢कोरोना (कोविड़–19) के गंभीर फैलाव को देखते हुए किसान भाई सरकार की सलाह का सख्ती से पालन करें और स्वयं की उचित देखभाल, व्यक्तिगत स्वच्छता, मास्क का उपयोग, साबुन से उचित अंतराल पर हाथ धोने तथा एक दूसरे से सामाजिक दूरी बनाये रखने पर विशेष ध्यान दें। ➢पौध संरक्षण रसायनों का छिड़काव मौसम के खुलने के बाद ही करें ।
मुख्य फसल	**सलाह**
मूंग, मोठ व चंवला की फलियों की तुडाई	खरीफ की दलहनी फसलों जैसे मूंग, मोठ, चंवला, इत्यादि की पकी हुई फलियों की तुडाई कर लेवें।
बाजरा	बाजरा में ब्लास्ट रोग को नियंत्रित करने के लिए प्रोपिकोनाजोल 25 ईसी @ 0.1% का छिड़काव करें । व बाजरा मे अरगट रोग से बचने के लिए सिट्टे निकलते समय 2.5 किलोग्राम जिनेब 75 डब्ल्यू.पी. या 2 किलोग्राम मेन्कोजेब 75 डब्ल्यू.पी. के 3-3 दिन के अन्तराल पर 2-3 छिडकाव करने से प्रकोप कम होगा।
तिल	तिल में झुलसा रोग के लक्षण दिखाई देने पर मैनकोज़ेब 75 डब्ल्यू.पी. या जिनेब 75 डब्ल्यू.पी. 1.5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से फसल पर छिड़काव करें ।
खरीफ की फसल	सफेद लट के रोकथाम के लिए सिंचाई से पहले इमिडाक्लोरपिड 17.8 एस. एल. 300 मिली प्रति हेक्टेयर की दर से 80–100 किलोग्राम मिट्टी के साथ मिलाकर खेत में भुरकाव करे ।
ग्वार	ग्वार मे सफेद मक्खी नियत्रंण के लिए थाईमेथोक्साम 25 डब्ल्यू. जी. 0.3 ग्राम प्रति लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें। ग्वार में झुलसा रोग की रोकथाम के लिए कॉपर ऑक्सी क्लोराइड 50 डब्ल्यू.पी. का 0.3% की दर से छिड़काव करें।
मूंगफली	मूंगफली की फसल में बादल छाये रहने के कारण टिक्का रोग के फैलने की सम्भावना है । इस रोग में पत्तियों पर मटियाले रंग के गहरे भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते है । इस रोग की रोकथाम के लिये रोग के लक्षण दिखाई देते ही कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यू.पी. आधा ग्राम प्रति लीटर पानी के घोल का छिडकाव करें ।

पपीता	पपीतें की फसल में पर्ण कुंचन एवं मोजेक रोग की रोकथाम हेतु रोगग्रस्त पौधों को उखाड़ कर नष्ट कर देवें तथा रोग के प्रसार को रोकने के लिये डाईमिथोऐट 30 ई.सी. या मिथाइल डिमेटान 25 ई.सी. एक मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें
नींबू	नींबू का कैंकर रोग को नियंत्रित करने के लिए, कॉपर ऑक्सी क्लोराइड 50 डब्ल्यू.पी. 0.3 प्रतिशत की दर से या स्ट्रेप्टोसाइक्लिन का 200 पीपीएम घोल का छिड़काव करें।

दिनांक 18.9.2020

सहा. आचार्य(एग्रोमेट)